R.M.M. Law College, Saharsa
LL.B. Part - II nd
Paper — vi th
Environmental Law
Nareshji Anand

1990 के दशक की पर्यावरणीय नीति

आठवीं पंचवर्षीय योजना के अध्याय चार में "पर्यावरण एवं वन" शीर्षक के अंतर्गत पर्यावरणीय ह्रास की चुनौतियों से मुकाबला करने हेतु 3 प्रमुख कार्य स्वीकार किये गये —

(1) प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा करना,

(2) ह्रासमान पारिस्थितिकीय तंत्र का पुनर्निर्माण एवं पुनर्स्थापन और उनकी उत्पादकता में वृद्धि और ऐसी गतिविधियों के माध्यम से नियोजन उत्पन्न करना,

(3) प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण का विकेन्द्रीकरण,

(4) प्रकृति एवं प्राकृतिक प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी विकसित करना तथा हिस्सेदारी निर्धारित करना,

(5) पर्यावरण हेतु राष्ट्रीय नीति निर्मित करना तथा नीति के समर्थन में उचित संस्थागत एवं विधिक ढांचा तैयार करना,

(6) प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों

Scanned with CamScanner

के पोषणीय प्रयोग के संरक्षण को ध्यान में रखकर सम्मिलित और एकीकृत सरकारी कार्यवाहियों को सुनिश्चित करना (७) व्यक्तियों और संस्थाओं को पर्यावरण और पारिस्थैतिकीय तंत्र का उल्लंघन करने वाले उनके कार्यों के लिए लोगों के प्रति ज्यादा जवाबदेह बनाना.

(८) पर्यावरण की स्थिति का निर्देशन करना।

पर्यावरण संरक्षण को प्रभावकारी बनाने हेतु योजना में कई सुझाव दिये गये। अस्तु प्रदूषण के स्रोतों की पहचान कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करना, घरेलू और कृषिक प्रदूषण के बारे में समान रिपोर्ट तैयार करना, केन्द्र एवं राज्य प्रदूषण बोर्डों की कार्यविधि मजबूत करना तथा पारदर्शी बनाना पर्यावरण क्षति के आकलन हेतु व्यापक तथा यथार्थवादी मानदण्ड निर्धारित करना, उद्योगों द्वारा आत्मसात उपाय हेतु सरकार से प्रदूषण निवारण लागत छूट आदि के बारे में बातचीत करना, पर्यावरण प्रदूषण निवारण में लोक भागीदारी तथा गैर सरकारी संगठनों का सहयोग आमंत्रित करना, प्रदूषण, वनों, वन्य जीवन और अन्य पर्यावरणीय विषयों पर लोक सतर्कता को प्रोत्साहित करने हेतु उत्प्रेरक राशि प्रदान करना और राज्य के नियामक कार्यों का विकेन्द्रीकरण आदि पर जोर दिया गया।

अनेक नीति सम्बन्धी प्रस्ताव पारित किये गये। इनमें दो प्रस्ताव मुख्य हैं।—

(i) प्रदूषण न्यूनीकरण हेतु नीति संकल्प-१९९२

पर्यावरण अवनयन निवारण हेतु प्रदूषण न्यूनीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की गयी। नीति संकल्प का मुख्य उद्देश्य सभी स्तर पर निर्णय करने के कार्यों में पर्यावरणीय विचार विमर्शों को एकीकृत करना माना गया। इसकी प्राप्ति हेतु निम्न सुझाव दिये गये —

(i) स्रोत स्तर पर प्रदूषण का निवारण,

(ii) सर्वोत्कृष्ट उपलब्ध व्यावहारिक तकनीक समाधान को प्रोत्साहित, विकसित एवं लागू करना,

(iii) प्रदूषण हेतु सुनिश्चित करना कि प्रदूषक भुगतान करे और नियंत्रण व्यवस्था करना,

(iv) संरक्षण का केन्द्र बिन्दु अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्रों और नदी फैलाव को बनाना,

(v) निर्णय प्रक्रिया में लोगों को सम्मिलित करना।

(II) राष्ट्रीय सुरक्षा व्यूह रचना और पर्यावरण एवं विकास पर नीति संकल्प 1992

इसे केन्द्रीय सरकार ने जून 1992 में तैयार एवं अंगीकृत किया इसकी उद्देशिका में पोषणीय विकास को राष्ट्र की उत्तरजीविता एवं कल्याण का आधार माना गया। यह सामाजिक और आर्थिक बेहतरी की प्रक्रिया के रूप में स्वीकार किया गया जिससे बिना भविष्य के विकल्पों को बन्द किये सभी हित समूहों, आवश्यकता एवं मूल्यों को संतुष्ट किया जा सकता है।

Scanned with CamScanner

एतदर्थ यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं की पूर्ति की पर्यावरणीय क्षमता से ज्यादा उस पर मांग न रखी जाए। राष्ट्रीय जीवन एवं विकास प्रक्रिया के ताने बाने में पर्यावरणीय विचार बुनने हेतु दिशा निर्देश तय किये जायें। इस नीति का मुख्य उद्देश्य सर्वाकृत उपलब्ध वैज्ञानिक ज्ञान के परिप्रेक्ष्य में विशिष्टता को पुनर्लागू कर जीवन की सुख सुविधा प्रकृति के समरूप संसाधनों द्वारा पूरित की जाय। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु निम्न नीति संकल्प जारी किये गये -

(1) पर्यावरण को बिना क्षति पहुचाये वर्तमान और भावी पीढ़ियों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु संसाधनों का पोषणीय एवं साम्यिक प्रयोग सुनिश्चित करना,

(2) हमारी जीवन समर्थन व्यवस्था के भावी अवक्रम का निवारण एवं नियंत्रण करना,

(3) पारिस्थैतिकीय ह्रासमान क्षेत्रों के पुनर्स्थापन के लिए कदम उठाना और हमारे देहाती तथा शहरी बस्तियों में पर्यावरण सुधार हेतु कार्यवाही करना,

(4) यह सुनिश्चित करना कि विकास योजनाएँ कम से कम प्रतिकूल पर्यावरणीय परिणामों के साथ ठीक-ठीक लागू हों।

(5) समुद्र तटीय क्षेत्रों एवं सामुद्रिक पारिस्थितिकीय तंत्र का संरक्षण एवं सुरक्षा करना

(6) प्राकृतिक दृश्य, भू दृश्यों, भू आकृति विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण क्षेत्रों, अनुपम जीवोंम प्रतिनिधियों और पारिस्थितिकी तंत्र और अन्य जीवन आवासों, विरासत दृश्यों, संरचनाओं और सांस्कृतिक विरासत महत्व के क्षेत्रों की सुरक्षा करना।

Scanned with CamScanner